टीका जानकारी विवरण

जापानीज इन्सेफैलाइटिस का टीका

जानने योग्य तथ्य

टीकों के बारे में अधिक जानकारी स्पेनिश एवं अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध है.
संदर्भ: www.immunize.org/vis

1. जापानी इन्सेफैलाइटिस (जे. ई.) टीकाकरण क्यों जरूरी है ?

जापानी इन्सेफैलाइटिस (जे. ई.) का टीका जापानी इन्सेफैलाइटिस से बचाव एवं रोकथाम करता है.

- जापानी इन्सेफैलाइटिस मुख्यतः एशिया एवं वेस्टर्न पेसिफिक के बहुत से देशों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में पाई जाती है.
- यह संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है. यह व्यक्ति से व्यक्ति या व्यक्तिगत सम्पर्क के कारण नहीं फैलती है.

- अधिकांश यात्रियों (ट्रेवलर्स) में जे. ई. का खतरा बहुत कम होता है. किन्तु रोग के प्रभाव क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों अथवा उन क्षेत्रों में लम्बी अवधि की यात्रा करने वाले व्यक्तियों में, इस संक्रमण का खतरा अधिक रहता है.
- जे. ई. वायरस से संक्रमित अधिकांश व्यक्तियों में किसी भी प्रकार के लक्षण नहीं पाए जाते हैं किन्तु अन्य में ज्वर एवं सिरदर्द जैसे; हल्के लक्षण अथवा इन्सेफैलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) जैसे गंभीर लक्षण भी पाए जा सकते हैं.
- इन्सेफैलाइटिस से ग्रसित व्यक्ति ज्वर, गर्दन में अकड़, सीजर्स से पीड़ित एवं कॉमा (गंभीर बेहोशी) में जा सकता है. इन्सेफैलाइटिस से पीड़ित 4 रोगियों में से एक की मृत्यु हो जाती है. मृत्यु का शिकार नहीं होने वाले आधे रोगियों में स्थायी विकलांगता (उदाहरणार्थ: मस्तिष्क क्षति) हो सकती है.
- यह माना जाता है कि गर्भवती महिला में संक्रमण उसके अजन्मे बच्चे को भी नुकसान पंहुचा सकता है.

2. जे. ई. का टीका

जापानी इन्सेफैलाइटिस का टीका 2 माह या इससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए स्वीकृत किया गया है.
यह निम्न हेतु अनुशंषित किया जाता है:

- जे. ई. से प्रभावित देश में रहने की योजना बनाने वाले व्यक्ति
- दीर्घ अवधि (जैसे एक माह या अधिक) तक जे. ई. से प्रभावित रहे देश में भ्रमण (विजिट) की योजना बनाने वाले व्यक्ति
- जे. ई. प्रभावित देशों में बार बार भ्रमण (विजिट) करने वाले व्यक्ति

यह टीका, जे. ई. प्रभावित देश में एक माह से कम अवधि तक भ्रमण करने वाले निम्न व्यक्तियों को भी लगवाना चाहिए:

- जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों की विजिट करनी हो तथा मच्छरों के काटने का खतरा हो
- जिनकी भ्रमण योजना अनिश्चित हो

प्रयोगशाला कर्मी, जिन्हें जे. ई. के सम्पर्क (एक्सपोजर) में आने का खतरा है, उन्हें भी इस टीकाकरण की आवश्यकता है.

टीके को 2- खुराकों के क्रम में दिया जाता है. इसके बाद भी खतरे में रहने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष पश्चात्, एक बूस्टर खुराक की अनुशंषा की जाती है.

नोट: *जे. ई. की रोकथाम का सर्वोत्तम उपाय मच्छर काटने से स्वयं का बचाव करना है.* इस विषय में स्वाथ्य देखभाल प्रदाता से सलाह ली जा सकती है.

U.S. Department of Health and Human Services
Centers for Disease Control and Prevention

3. अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता (हेल्थ केयर प्रोवाइडर) से पूछताछ करें.

टीकाकरण करवाने वाले व्यक्ति अपनी निम्न स्थितियों के बारे में टीकाकर्ता को सूचित करें:

- पूर्व में जे. ई. टीका की खुराक लगाने के पश्चात् **एलर्जिक रिएक्शन** हुआ हो अथवा **गंभीर, प्राणघातक एलर्जी** हुई हो.
- क्या **गर्भवती** है, गर्भवती महिला को प्राय: जे. ई. का टीका नहीं लगाया जाता है.
- **30 दिन से कम तथा केवल शहरी क्षेत्रों में भ्रमण करने वाले व्यक्ति**. इन्हें टीका लगाने की आवश्यकता नहीं है.

कुछ स्थितियों में स्वास्थ्य प्रदाता जे. ई. टीकाकरण को अगली विजिट तक स्थगित करने का निर्णय ले सकता है.

जुकाम जैसी साधारण अस्वस्थता में टीका लगवाया जा सकता है किन्तु मध्यम या गंभीर अस्वस्थता की स्थिति में जे. ई. टीकाकरण हेतु स्वास्थ्य लाभ तक प्रतीक्षा करनी चाहिए.

इस विषय में आपका हेल्थ केयर प्रोवाइडर और अधिक जानकारी प्रदान कर सकता है.

4. टीका प्रतिक्रिया (वैक्सीन रिएक्शन) के खतरे

- जे. ई. टीका के पश्चात् शॉट वाले स्थान पर दर्द, टेन्डरनेस, लालिमा अथवा सूजन की समस्या प्राय: पाई जाती है.
- कभी-कभी ज्वर हो सकता है (अधिकांशत: बच्चों में).
- सिर दर्द अथवा मांसपेशियों में दर्द हो सकता है (मुख्यतः वयस्कों में).

अध्ययन यह बताते हैं कि जे. ई. टीके से गंभीर रिएक्शन होने के खतरे बहुत कम या नगण्य हैं.

टीकाकरण सहित किसी भी चिकित्सा प्रक्रिया के बाद कुछ व्यक्तियों को कभी-कभी चक्कर या मूर्छा आ सकती है. चक्कर महसूस होने, दृष्टि में परिवर्तन या कानों में घंटी जैसे बजने पर अपने प्रोवाइडर (टीकाकर्ता) को बताएं.

अन्य किसी भी औषधि के समान टीके (वैक्सीन) से गंभीर एलर्जिक रिएक्शन, अन्य गंभीर दुर्घटना अथवा मृत्यु होने की संभावनाएं अत्यंत दूर की बात हैं.

5. गंभीर समस्या की स्थिति में निर्देश

क्लिनिक से जाने के बाद, टीकाप्राप्तकर्ता को एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है. यदि व्यक्ति में गंभीर एलर्जिक रिएक्शन के चिन्ह [पित्ती (हीब्ज), चेहरे एवं गले पर सूजन, श्वसन में कठिनाई, हृदय की धडकनों में तेजी, चक्कर आना या कमजोरी इत्यादि] दिखाई दें, तो तत्काल **9-1-1** पर फ़ोन करें तथा व्यक्ति को नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचाएं.

अन्य सम्बंधित चिन्हों की स्थिति में अपने हेल्थ केयर प्रोवाइडर से संपर्क करें.

विपरीत रिएक्शन की घटना को वैक्सीन एडवर्स इवेंट रिपोर्टिंग सिस्टम (VAERS) को रिपोर्ट करना चाहिए. प्राय: यह रिपोर्ट हेल्थ केयर प्रोवाइडर द्वारा की जाती है अथवा स्वयं भी की जा सकती है. वेअर्स (VAERS) की वेबसाइट **www.vaers.hhs.gov** पर विजिट करें अथवा

- **1-800-822-7967** पर काल करें.

वेअर्स (VAERS) केवल रिएक्शन की रिपोर्टिंग हेतु है तथा वेअर्स स्टाफ किसी भी प्रकार का चिकित्सा परामर्श नहीं देता है.

6. अधिक जानकारी हेतु स्त्रोत

- अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता (हेल्थ केयर प्रोवाइडर) से पूछताछ करें.
- अपने स्थानीय या राज्य स्वास्थ्य विभाग को काल करें.
- रोग निवारण एवं निवारण केंद्र (CDC) से सम्पर्क करें:

- **1-800-232-4636 (1-800-CDC-INFO)** पर काल करें अथवा
- सी. डी. सी. वेबसाइट **www.cdc.gov/japaneseencephalitis/** पर विजिट करें.

Vaccine Information Statement
Japanese Encephalitis Vaccine — Hindi

Office use only

8/15/2019 | 42 U.S.C. § 300aa-26